जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 334 प्रभात चूरू, गुरुवार 3 अप्रैल, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जैम व ज्वैलरी निर्यात को भारी धक्का लग सकता है, अगर अमेरिका ने भारी वृद्धि की टैरिफ में

भारतीय जैम व ज्वैलरी अगर महंगी हो गई, भारी टैरिफ के कारण तो जैम व ज्वैलरी का निर्माण सिंगापुर व यूएई जैसे स्थानों पर शिफ्ट हो सकता है, जहाँ टैरिफ कम होगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रेल। टैरिफ की उल्टी गिनती शुरु हो गई है, इसके साथ ही भारत के बाज़ारों में अनिश्चितता का माहौल नज़र आने लगा है। अमेरिका द्वारा रैसिप्रोकल टैरिफ लगाए जाने की संभावना निर्यात के प्रमुख सैक्टरों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन यह चुनौती भारत को उन "इकोनॉमिक रिफार्म्स" (आर्थिक सुधारों) के लिए भी प्रेरित कर सकती है, जिनकी देश को बहुत आवश्यकता है। महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या ये टैरिफ घातक आघात देंगे या फिर इनके कारण दीर्घकालिक रिकवरी की शुरुआत होगी?

अमेरिका का टैरिफ निर्णय सभी क्षेत्रों को प्रभावित करेगा। लेकिन यू.एस. के माल पर भारत की ऊँची टैरिफ इस देश को अधिक संवेदनशील बनाती है। विश्लेषकों की भविष्यवाणी है कि टैरिफ में हल्की वृद्धि, फार्मास्युटिकल्स और आई.टी. जैसे

- क्योंकि, जैम व ज्वैलरी उद्योग काफी "लेबर इनसैंटिव" है, इस ट्रेड को धक्का लगने से काफी बेरोज़गारी भी फैल सकती है। जैसा कि विदित ही है।
- इकॉनामिस्टों का मानना है, भारत प्राइम टारगैट है, अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाने की दृष्टि से, क्योंकि यह ऐतिहासिक सत्य है कि सदा से भारत, अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर भारी व ज्यादा टैरिफ लगाता आ रहा है, जबकि, अमेरिका भारत से आयातित वस्तुओं पर कम टैरिफ लगाता रहा है।
- जैम व ज्वैलरी इण्डस्ट्री जैसी ही स्थिति भारतीय टैक्सटाइल इण्डस्ट्री की है। आज भारत के टैक्सटाइल एक्सपोर्ट का लगभग एक तिहाई हिस्सा अमेरिका को एक्सपोर्ट होता है। अगर, भारत में निर्मित कपड़ों व परिधान पर भी भारी टैरिफ लगा तो, भारत को काफी धक्का लग सकता है, क्योंकि बाँग्लादेश व वियतनाम जैसे देश का माल सस्ता होगा, कम टैरिफ के कारण और अमेरिका में आयातित होने वाले वस्त्र परिधान का व्यापार इन देशों में शिफ्ट हो सकता है।

क्षेत्रों को अल्पकालिक प्रोत्साहन (शॉर्ट टर्म) बूस्ट दे सकती है। जबकि, सख्त टैरिफ से बाज़ार में वृहत गिरावट की शुरुआत हो सकती है।

वी.टी. मार्केट्स के रॉस मैक्सवैल ने कहा, "अमेरिका के माल पर भारत की टैरिफ ऐतिहासिक रूप से ऊँची रही है, उस टैरिफ की तुलना में जो यू.एस. भारत के माल पर लगाता है। यह भारत को एक प्रमुख टारगैट बनाता है। फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि और वस्त्र जैसे क्षेत्र अरबों के व्यापारिक नुकसान का सामना कर सकते हैं।"

कूटनीतिक प्रयास जारी होने के साथ-साथ अन्य देशों की तरफ से जवाबी कार्रवाहियों की चिंता बढ़ रही है। केयर एज रेटिंग्स के सचिन गुप्ता ने कहा, "यू.एस. द्वारा लगाई गई टैरिफ निर्यात आधारित क्षेत्रों को बाधित कर सकती है, विशेषरूप से उन क्षेत्रों को, जो विवेकपूर्ण खर्च पर निर्भर हैं।" इसके अलावा अन्य प्रभावित देशों की तरफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू यादव अचानक अस्पताल में भर्ती

पटना, 02 अप्रैल। पिछले 10 वर्षों में तीन आपरेशन करा चुके राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का ब्लड शुगर बढ़ गया है। सोमवार से ही वे कुछ असहज महसूस कर रहे थे। बुधवार पूर्वाह्न जांच के लिए वे दिल्ली प्रस्थान करने वाले थे कि एयरपोर्ट के रास्ते में अधिक असहज हो गए। उन्हें पटना में ही पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पूरे दिन चिकित्सकों की सघन निगरानी में रहने के बाद, देर शाम इलाज के लिए उन्हें दिल्ली भेजा गया है, जहाँ एम्स में उनकी जांच होगी।

दिल्ली में वे अपनी सांसद पुत्री

- बताया जा रहा है कि वे जांच के लिए दिल्ली जाने के लिए एयरपोर्ट जा रहे थे कि रास्ते में उनकी तबियत बिगड़ गई और उन्हें पटना के ही पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उन्हें डॉक्टर्स की निगरानी में दिल्ली भेजा गया है।

मीसा भारती के सरकारी आवास पर ठहरेंगे। उनके साथ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी जा रहे हैं।

76 वर्षीय लालू लंबे समय से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। सन् 2024 में मुंबई में उनकी एंजियोप्लास्टी हुई थी। हृदय में तीन मिलीमीटर के छेद को भरा गया था और एक स्टेंट लगाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूनुस चटगांव बंदरगाह को चीन को "ऑफर" करना चाहते हैं?

चीन तो सदा से "इण्डियन ओशन" (हिन्द महासागर) में अपना "सामरिक महत्व का बंदरगाह बनाना चाहता है और बाँग्लादेश के नेता मोहम्मद यूनुस का चीन के राष्ट्रपति के समक्ष कहा गया यह संदेश भरा कथन चीन को बहुत कर्णप्रिय लग रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रैल। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में मोहम्मद यूनुस के बयान ने भारत व अन्य भागों में सुरक्षा व सामरिक विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है। यूनुस का बयान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए है तथा ऐसा लग रहा है वे चीन को भारत में घुसने के लिए बांग्लादेश में बेस बना कर देने की बात कर रहे हैं।

यूनुस ने कहा कि भारत के सातों पूर्वोत्तर राज्य "लैंड लॉक्ड" अर्थात जमीन से घिरे हुए हैं और उनके हिंद महासागर तक पहुंचने के मार्ग का एकमात्र संरक्षक बांग्लादेश है। चीन हिंद महासागर में दबदबा कायम करने के लिए बहुत व्यग्र है, न केवल रणनीतिक कारणों से, बल्कि व्यवसायिक कारणों से भी। विशाल हिंद महासागर भारत के तट से शुरु होकर अंटार्कटिका तक जाता है, बीच में कोई बाधा नहीं आती। यहां से भारी मात्रा में व्यापार होता है। चीन अफ्रीका के तट पर अपना अड्डा बना चुका है।

- भारत के सामरिक विशेषज्ञ, इस प्रस्ताव को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं, क्योंकि चीन चटगांव बंदरगाह से भारत के नॉर्थ-ईस्ट प्रदेशों में अपनी उपस्थिति आसानी से बढ़ा सकता है।
- पर, चटगांव बंदरगाह के आस-पास का हिस्सा हिन्दू बाहुल्य है तथा पहले पाकिस्तान ने और फिर बाँग्लादेश इन हिन्दुओं को कभी मुख्यधारा से नहीं जोड़ा, बल्कि प्रताड़ित ही किया है।
- वहाँ की हिन्दू जनता काफी समय से चटगांव व उससे जुड़े इलाके को भारत में विलय करने की माँग करते रहे हैं, हालाँकि, किन्हीं कारणों से उनकी माँग पर कभी ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया।
- सामरिक विशेषज्ञों की राय है, भारत को चटगांव और उसके आस-पास लोगों की माँग को आधार बनाकर, चटगांव को भारत में विलय का मुद्दा उठाना चाहिए?

चीन की हिंद महासागर तक सीधी पहुंच नहीं है। उसे मलेशिया का चक्कर काटकर जाना पड़ता है। चीन लंबे समय से म्यांमार को बहला-फुसला रहा है, ताकि बंगाल की खाड़ी में उसके बंदरगाहों का इस्तेमाल कर सके।

अगर इनमें से कुछ बंदरगाहों पर चीन का कब्जा हो गया तो भारत को अपनी समुद्री सीमा पर कड़ी निगरानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आग में जिंदा जलीं दो मासूम बालिकाएं

चूल्हे की चिंगारी से छप्पर में आग लगने के कारण यह बड़ा हादसा हुआ

भरतपुर, 2 अप्रैल। डीग जिले में खोह थाना क्षेत्र के हिंगोटा गांव में बुधवार को दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। यहां छप्पर में आग लगने से दो बालिकाएं जिंदा जल गईं। दोनों मासूम बच्चियां मालाखेड़ा की रहने वाली थीं और ईद पर अपनी मां के साथ ननिहाल हिंगोटा आई हुई थीं।

अलवर के मालाखेड़ा के खरेड़ा गांव निवासी बच्ची वामिका (6) और मुस्कान (4) अपनी मां फरमीना के साथ ईद पर 31 मार्च को नाना दीनू के घर हिंगोटा आई थीं। बुधवार सुबह फरमीना अपने माता-पिता और भाई बहनों के साथ गांव में ही एक व्यक्ति के खेत पर गेहूं की कटाई करने के लिए निकल गई थी। खेत पर जाने से पहले, उसने बच्चों और अपने लिए खाना बनाया था। हादसे के दौरान दोनों बच्चियां छप्पर में बने एक कमरे में सो रही थीं। इस दौरान छप्पर के बाहर बने चूल्हे की आग, जिसे फरमीना ने अच्छी

- दोनों बच्चियाँ मालाखेड़ा की रहने वाली थीं और ईद पर अपनी माँ के साथ ननिहाल हिंगोटा आई हुई थीं।

तरह नहीं बुझाया था, से निकली चिन्गारी से छप्पर ने आग पकड़ ली।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासन की टीम ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बच्चियों के शवों को, डीग जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाकर, परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, पूरे गांव में घटना के बाद मातम छाया हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते आग पर काबू पा लिया जाता तो इन मासूमों की जान बच सकती थी।

मुस्लिम महिलाओं ने वक्फ विधेयक के समर्थन में प्रदर्शन किया

भोपाल, 02 अप्रैल। लोकसभा में आज पेश किए गए 'वक्फ़ संशोधन विधेयक 2025' के समर्थन में आज मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मुस्लिम महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

यहां आनंद नगर क्षेत्र में दर्जनों मुस्लिम महिलाएं एकत्रित हुयीं और वे हाथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

- भोपाल की मुस्लिम महिलाओं ने कहा, कानून बन जाता है तो करोड़ों रूपए की जमीन, जो दबी पड़ी है, बाहर आ जाएगी, गरीब मुसलमानों का भला होगा।

कटआउट भी लिए हुए थीं। ये महिलाएं, मोदी और वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में नारेबाजी करते हुए भी सुनी गयीं।

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने मीडिया से कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पारित होना चाहिए। एक महिला ने कहा कि यदि यह कानून बन जाता है, तो करोड़ों रुपए की जो जमीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा में वक्फ बिल पेश, सरकार ने कहा, बिल पारित होने तक सदन चलता रहेगा

अखबार छपने तक संसद में गर्मागर्म बहस जारी थी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल। लोकसभा में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को वक्फ संशोधन बिल पेश किया। यह बिल 1995 के वक्फ अधिनियम में बदलाव के उद्देश्य से लाया गया है। विधेयक 11 बजे पेश हुआ और इस पर आठ घंटे तक चर्चा हुई। विपक्ष ने पुरजोर तरीके से बिल का विरोध किया। अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने बहस का जवाब दिया। उन्होंने एक-एक करके सभी आरोपों का जवाब दिया व संदेहों का निराकरण किया।

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में स्पष्ट किया कि वक्फ विधेयक मुसलमानों से संबंधित है और वक्फ बोर्ड में किसी दूसरे धर्म के लोगों को शामिल करने की बात पूरी तरह भ्रामक है।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक केवल इसलिये लाया गया है, ताकि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन पारदर्शी और नियम कायदे के अनुसार हो और उसका फायदा मुस्लिम समुदाय के गरीबों,

- केन्द्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने लोकसभा में 11 बजे बिल पेश किया, जिस पर बहस के लिए आठ घंटे का समय नियत किया गया था। पर, यह व्यवस्था भी थी कि जरूरत पड़ी तो समय बढ़ाया जा सकता है।
- गृह मंत्री अमित शाह ने बिल पर विपक्ष के आरोपों का करारा जवाब दिया, उन्होंने वक्फ को सरकारी सम्पत्ति या किसी अन्य की सम्पत्ति दान करने पर कहा कि मैं वही चीज़ दान कर सकता हूँ जो मेरी है, सरकारी सम्पत्ति या किसी और की सम्पत्ति दान में नहीं दी जा सकती।"
- शाह ने कहा, 2013 में यूपीए सरकार द्वारा लगाए गए वक्फ बिल संशोधन में खामियाँ नहीं होतीं तो यह बिल नहीं लाना पड़ता।
- अखिलेश यादव ने वक्फ बिल के विरोध में कहा, भाजपा को ज़मीनों से प्यार है, रेल्वे व डिफैंस की ज़मीन भी बेच चुकी है।
- जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर वक्फ बिल पारित हुआ तो इसकी जिम्मेवारी नीतीश और जद (यू) की होगी।

महिलाओं और बच्चों को मिले।

गृह मंत्री ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर हो रही चर्चा में हस्तक्षेप करते हुये कहा कि चैरिटी कमिश्नर कानून के तहत, किसी भी धर्म का व्यक्ति धर्मार्थ संस्थाओं के नियमन एवं निरीक्षण के लिये अधिकृत किया जा सकता है, उसी तरह वक्फ पर निगरानी के लिये बोर्ड में कलेक्टर और सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान किया गया है, जो किसी धर्म में हस्तक्षेप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयरफोर्स का जैगुआर विमान क्रैश, एक पायलट की मौत

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल। गुजरात के जामनगर जिले के सुवरडा गांव के पास एयरफोर्स का लड़ाकू विमान जैगुआर क्रैश हो गया है, इस हादसे में एक पायलट की मौत हो गई है और दूसरा पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया है, उसे अस्पताल ले जाया गया है। हादसे के बाद आसपास का इलाका आग की चपेट में आ गया है। एसपी, कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच

- गुजरात के जामनगर जिले के सुरवडा गांव में यह हादसा हुआ।

गए हैं तथा घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। विमान क्रैश होने के बाद का एक दर्दनाक वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि पायलट जमीन पर घायल अवस्था में पड़ा हुआ है और उसके आसपास लोगों की भीड़ इकट्ठा है। आसपास विमान के टुकड़े बिखरे पड़े हैं और आग लगी हुई है। हादसे के बाद इलाके में धुएं का गुबार फैल गया। साथ ही विमान के टुकड़े दूर तक जाकर गिरे हैं। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई है।

'श्री शुभम लॉजिस्टिक' और 'ओरिगो' के साथ कृषि उपज के भण्डारण व रख-रखाव का अनुबन्धन समाप्त किया राजस्थान सरकार ने

इन दोनों कंपनियों के खिलाफ कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने गहलोत सरकार के कार्यकाल में 150 करोड़ का भ्रष्टाचार करने और अवांछित लाभ लेने का आरोप लगाया था

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 2 अप्रैल। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा द्वारा "श्री शुभम लॉजिस्टिक" और उसकी इकाई "मैसर्स ऑरिगो कॉमोडिटीज इण्डिया प्राईवेट लि." को अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल के दौरान120 करोड़ रूपये का अवांछनीय लाभ पहुंचाने और भारी भ्रष्टाचार करने के मामले में कुछ महत्वपूर्ण 'डवलपमेंट' सामने आये है। राजस्थान राज्य भण्डारण निगम और कृषि विभाग ने इन दोनों कम्पनियों के साथ कृषि उपज के भण्डारण और रख-रखाव के लिए किये गये अनुबन्ध को रद्द कर दिया है।

जैसा कि विदित है, मंत्री किरोड़ी लाल ने 16 मई 2024 को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में गंभीर आरोप लगाये थे कि गहलोत सरकार के कार्यकाल के दौरान कृषि उपज के भंडारण के लिए "श्री शुभम लॉजिस्टिक" और "आरिगो" के साथ अनुबंधन किया गया था। इन कंपनियों को 120 करोड़ रूपए का अवांछित लाभ गहलोत सरकार के अफसरों की मिलीभगत से दिया गया और राज्य सरकार के भंडारण निगम को करीब 200 करोड़ रूपए का नुकसान उठाना पड़ा।

इस पत्र में मीणा ने आरोप लगाया था कि श्री शुभम लॉजिस्टिक ने अनुबंधों की शर्तों का उल्लंघन करते हुए 3,000 करोड़ रूपए के मूल्य से भी अधिक की कृषि उपज का इंश्योरेंस (बीमा) नहीं कराया। ऐसी स्थिति में, किसी दुर्घटना, आपदा या कालाबाज़ारी से किसानों को अवांछित भारी नुकसान झेलना पड़ सकता था। इसके अतिरिक्त, मीणा ने पत्र में आरोप लगाया था कि श्री शुभम लॉजिस्टिक ने अनुबंध के अनुसार कई खर्चों का और बैंक गारंटी का भुगतान नहीं किया, जिससे निगम को करोड़ों का नुकसान हो गया। मीणा ने पत्र में लिखा था कि श्री शुभम लॉजिस्टिक अशोक गहलोत के करीबियों की ही कंपनी है। इसलिए उसे और उसकी इकाई ओरिगो को सर्वपित नाम पहुंचाया गया है।

- किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने शिकायत पत्र में इन दोनों कंपनियों और भण्डारण निगम में हुए सी.ए.जी. के ऑडिट रिपोर्ट को भी उद्धृत किया था जिससे स्पष्ट जाहिर था कि कहीं अफसरों की मिलीभगत से दोनों कंपनियों को 120 करोड़ का अवांछित लाभ हुआ और भण्डारण निगम को 200 करोड़ से भी अधिक का नुकसान।
- इन दोनों कंपनियों के साथ अनुबंधन समाप्त करने के बाद कृषि विभाग ने अलग-अलग जिलों के कलैक्टरों को आदेश जारी किये हैं कि वह यह सुनिश्चित करें भण्डारण निगम के भण्डार गृहों के नियंत्रण व प्रबंधन को वापस सौंपे जाने की कार्यवाही शांतिपूर्ण तरीके से पूरी की जाए, और कंपनियों के अधिकारियों व कर्मचारियों को हिदायत दी गई है कि वह इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न न करें।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि किरोड़ी लाल ने कृषि विभाग और भण्डारन निगम के अधिकारियों की देख-रेख में हुए भ्रष्टाचार को सिद्ध करने के लिए अपने शिकायती पत्र में इसी मुद्दे पर कन्ट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (कैग) की रिपोर्ट को भी उद्रित किया था। वर्तमान में इस मामले की जांच एसीबी में भी चल रही है।

नए डवलपमेंट के अनुसार जनवरी माह में राज्य भण्डारन निगम की ओर से 'श्री शुभम लॉजिस्टिक' और 'ओरिगो' को "शो कॉज दो नोटिस" दिया गया था क्योंकि दोनों कंपनियों ने अनुबन्ध की शर्तों के अनुसार कृषि उपज के भण्डारण के लिए उपयुक्त इंश्योरेंस नहीं करवाया था, बैंक गारंटी उपलब्ध नहीं करवाई थी, और करोड़ों के अन्य भुगतान नहीं किये थे। दोनों कंपनियों की ओर से उपयुक्त जवाब नहीं पाये जाने पर क्रमशः मार्च फिर और अप्रैल में कृषि बोर्ड और भण्डारन निगम ने श्री शुभम लॉजिस्टिक और ओरिगो के साथ किये गये अनुबन्ध को रद्द कर दिया। बोर्ड की बैठक में यह भी तय कर दिया गया था कि ओरिगो और श्री शुभम की जमा 'सिक्योरिटी' (प्रतिभूति जमा राशी) और बैंक गारंटी को भी जब्त किया जाएगा।

दोनों कंपनियों के साथ अनुबंधन समाप्त करने के फलस्वरूप कृषि विभाग ने डीडवाना-कुचामन, टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, दौसा, जैसलमेर, जोधपुर इत्यादि के जिलों कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, को आदेश जारी किया है भण्डारण निगम के उन भण्डार गृहो, जिनका संचालन ओरिगो या श्री शुभम लॉजिस्टिक द्वारा किया जा रहा था, का निरीक्षण कर उनका प्रत्यक्ष नियंत्रण व प्रबन्धन निगम को वापस लौटाया जाएगा। इसके साथ ही ओरिगो और श्री शुभम लॉजिस्टिक के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को कहा गया है कि वह गोदामों की नियंत्रण को सौंपे जाने के समय कोई उपद्रव व्यवहार नहीं करें नहीं तो उनके खिलाफ कार्यवाही भी जा सकती है।

वर्तमान में श्री शुभम लॉजिस्टिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शिवाजी ने कोई मस्जिद नहीं तोड़ी, सौ प्रतिशत धर्म निरपेक्ष थे'

मुंबई, 02 अप्रैल। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज सौ फीसदी धर्मनिरपेक्ष शासक थे, जिन्होंने कई युद्ध जीते, लेकिन कभी किसी मस्जिद को नष्ट नहीं किया। केंद्रीय मंत्री का यह बयान ऐसे पर समय आया है, जब

- केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में कहा कि छत्रपति शिवाजी आदर्श शासक थे।

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद चल रहा है। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि महाराष्ट्र के बाहर कई लोगों के मन में छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर कई तरह की गलतफहमियां हैं।

उन्होनें कहा, "शिवाजी महाराज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)